First Aid, Ambulance and Emergency services at Diggi Mela

First Aid, Ambulance and Emergency services at Govind Dev Ji Mandir, Jaipur

Camp at Khole ke Hanuman Ji, Jaipur

Knowledge Pensioner Samaj

MAHATMA GANDHI UNIVERSITY
MEDICAL SCIENCES & TECHNOLOGY
Mahatma Gandhi Occupational Therapy College
Celebrating
THERAPY DAY
ADAPTIVE DEVICES
महात्मा गाँधी अस्पताल

8
CASH COUNTER
7
महात्मा गाँधी अस्पताल, जयपुर
सेहत की बात !
नियमित स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम
विशेषज्ञों से जानें
सेहत के बारे में,
बीमारियों के लक्षण,
बचाव एवं उपचार !
महात्मा गाँधी अस्पताल द्वारा
स्वास्थ्य जागरूकता की दिशा में
एक सतत् प्रयास...
किफायती स्वास्थ्य जाँच पैकेज
सम्पर्क - 97999 99483 (मो)
Mahatma Gandhi Hospital, Jaipur
&
Mahatma Gandhi Dental College & Hospital
SITAPURA, JAIPUR
विश्व
एड्स दिवस
गुरुवार 1 दिसम्बर, 2016
जागरूकता कार्यक्रम
मेडिसिन विभाग
चर्म व रति रोग विभाग
सामुदायिक दंत चिकित्सा विभाग

National Muay thai sub junior championship at SMS stadium, jaipur

R L Swarankar Punya Smriti Samaroh
Nartya Natika - Meera

MAHATMA GANDHI UNIVERSITY
of
MEDICAL SCIENCES & TECHNOLOGY
JAIPUR
MAHATMA GANDHI HOSPITAL
पं. दीनदयाल उपाध्याय जयन्ती
पर
एक अभिनव प्रयास
शिविर

महात्मा गाँधी अस्पताल
स्वैच्छिक रक्तदान
शिविर

MAHATMA GANDHI UNIVERSITY
of
MEDICAL SCIENCES & TECHNOLOGY
JAIPUR
MAHATMA GANDHI HOSPITAL
पं. दीनदयाल उपाध्याय जयन्ती
पर

MAHATMA GANDHI UNIVERSITY
MEDICAL SCIENCES & TECHNOLOGY
JAIPUR
MAHATMA GANDHI HOSPITAL
रक्तदान शिविर
दिनांक : रविवार, 25 सितम्बर, 2016
समय : प्रातः 9.00 बजे से अपराह्न 4.00 बजे तक
स्थान : महात्मा गांधी अस्पताल, सीतापुरा, जयपुर
आओ बचायें किसी की जान, करें रक्तदान
सम्पर्क सूत्र :- गिरिराज सोनी - 9784783285

महात्मा गाँधी अस्पताल, जयपुर
स्वैच्छिक रक्तदान शिविर
DONATE BLOOD SAVE LIFE
BLOOD DONATION CAMP
ब्लड बैंक

SPMC Bikaner 73 Batch Alumni meet

NEWS: MAHATMA GANDHI HOSPITAL
PUBLICATION: MORNING NEWS
PAGE- 3, DATE 7.11.2016

गुलजार के गीतों का गुलदस्ता सजा

जयपुर (मोन्यू)। सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज बीकानेर के वर्ष 1973 के सहपाठी चिकित्सकों का तीन दिवसीय स मेलन एसपीएमसी-73 'जलवा-ए-जयपुर' महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी ऑफमेडिकल साइन्सेज

एण्ड टैक्नोलोजी में रविवार को गुलजार के गीतों पर आधारित 'बात पश्मीने की' के साथ आयोजित हुआ। इस अवसर पर चिकित्सकों ने अपने गुरूजनों व सीनियर्स का स मान भी किया। कार्यक्रम संयोजक एवं महात्मा गांधी अस्पताल के चेयरपर्सन प्रो. डॉ. एम.एल. स्वर्णकार ने बताया कि कार्यक्रम में गीतकार एवं फिल्म निर्देशक गुलजार के गीतों, गजलों, नज्म तथा कहानियों का गुलदस्ता डॉ. मिलिन्द ओक द्वारा निर्देशित 'बात पश्मीने की' का प्रभावी मंचन हुआ। इसमें गुलजार द्वारा लिखित फिल्मी गीतों और गजलों को कलाकारों द्वारा सुरीले अन्दाज में प्रस्तुत किया गया।

NEWS: MAHATMA GANDHI HOSPITAL
PUBLICATION: PUNJAB KESARI
PAGE- 2, DATE 7.11.2016

न्यूज इन ब्रीफ

'जलवा-ए-जयपुर' कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि।

सजा गुलजार के गीतों का गुलदस्ता

जयपुर,(कासं): सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज बीकानेर के वर्ष-1973 के सहपाठी चिकित्सकों का तीन दिवसीय सम्मेलन एसपीएमसी-73 'जलवा-ए-जयपुर' महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइन्सेज एण्ड टैक्नोलोजी में रविवार को गुलजार के गीतों पर आधारित 'बात पश्मीने की' के साथ आयोजित हुआ। इस अवसर पर चिकित्सकों ने अपने गुरुजनों व सीनियर्स का सम्मान भी किया। कार्यक्रम में गुलजार द्वारा लिखित फिल्मी गीतों और गजलों को कलाकारों द्वारा सुरीले अन्दाज में प्रस्तुत किया गया।

World Health Day

NEWS: MAHATMA GANDHI HOSPITAL
PUBLICATION: Rajasthan Patrika (Sanganer)
PAGE: 4 DATE- 8.4.2017

डिप्रेशन में मनोचिकित्सक की सलाह जरूरी

सांगानेर पत्रिका
www.patrika.com

सीतापुरा. मन उदास रहना, नींद नहीं आना, भूख नहीं लगना, असुरक्षा या नकारात्मक भाव डिप्रेशन के लक्षण हो सकते हैं। इन्हें समझकर मनोचिकित्सक की सलाह लेनी चाहिए। उपचार में देरी नुकसानदायक हो सकती है। ऐसे व्यक्ति को संवेदनशील व्यवहार तथा उपचार के माध्यम से पुन: सामान्य किया जा सकता है। यह जानकारी महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जी एन सक्सेना ने दी।

वे मनोरोग एवं सामुदायिक स्वास्थ्य विभाग की ओर से विश्व स्वास्थ्य दिव पर आयोजित डॉक्टर्स सेमिनार को सम्बोधित कर रहे थे। मनोरोग विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्णा क 'वल ने कहा कि सिरोटोनिन व नोरइपीनेफ्रीन हार्मोन्स में कमी के कारण व्यक्ति डिप्रेशन का शिकार हो जाता है।

डिप्रेशन के अधिक बढ़ जाने की स्थिति में रोगी असुरक्षित महसूस करता है तथा आत्महत्या तक के लिए सोचने लगता है। परिजन ऐसी स्थिति में रोगी को अकेला नहीं रहने नहीं दें।

इस अवसर पर पीएसएम विभागाध्यक्ष डॉ. भूपेन्द्र नाथ शर्मा ने कहा कि अधिकतर 15 से 29 साल के युवाओं में यह लक्षण अधिक पाए जाते हैं। यह अवसाद पढ़ाई अथवा कॅरियर निर्माण के कारण भी हो सकता है। डिप्रेशन, मानसिक अवसाद का इलाज दवा तथा रोगी की काउंसिलिंग से होता है।

World Liver Day

World Hypertension Day

NEWS: MAHATMA GANDHI HOSPITAL
PUBLICATION: RAJASTHAN PATRIKA (SANGANER)
PAGE: 3 DATE- 20.5.2017

हायपरटेंशन-डे

हायपरटेंशन बीमारी शांत ज्वालामुखी- डॉ. राव

सीतापुरा। उच्च रक्तचाप एक साइलेन्ट किलर बीमारी है। उम्र बढ़ने के साथ समय-समय पर अपने ब्लड प्रेशर की जांच कराते रहना चाहिए। यह बीमारी एक प्रकार का ऐसा ज्वालामुखी है जिसके फटने पर ब्रेन स्ट्रोक, लकवा, नाक से रक्त बहना सरीखी बीमारियां हो जाती है।

यह कहना है महात्मा गांधी अस्पताल के नेफ्रोलॉजी विभाग के एसोसिएट प्रो. डॉ. अजय सिंह राव का। वे विश्व हायपर डे पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। पश्चिमी संस्कृति के आत्मसात करने, फास्टफूड के चलन तथा परम्परागत खानपान में बदलाव के कारण हाई ब्लड प्रेशर बढ़ रहा है। यह बुढ़ापे की बीमारी नहीं है। इसके लिए नियमित दवा आवश्यक है। इसके लिए ली जाने वाली दवा का साइड इफेक्ट नहीं के बराबर होता है। इस बीमारी के लम्बे समय तक चलने के कारण दिल का दौरा, हृदयघात, पक्षाघात, ब्रेन हेमरेज, गुर्दे का काम नहीं करना, [illegible] का [illegible] हो जाना सहित अनेक बीमारियां हो जाती है। वरिष्ठ फीजिशियन डॉ. किशोर पुलरवानी ने कहा हायपर टेंशन एक ऐसी बीमारी है जिसके कोई लक्षण नहीं होते हैं। इस से बचाव के लिए नियमित आहार, दिनचर्या एवं योग तथा प्राणायाम को अपनाना चाहिए। तली हुई चीजों से बचना चाहिए। मीठा भी अधिक नहीं खाना चाहिए।

6x4 feet
print - 1
Dental College

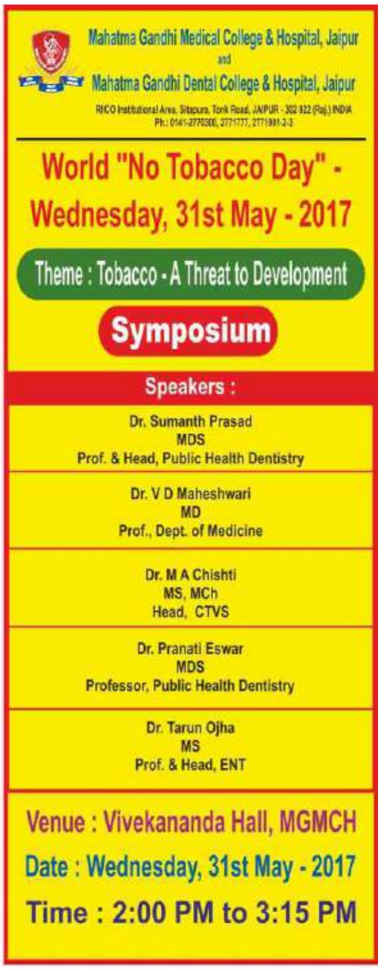

3x6 feet
print - 2
Vivekanand Hall

विश्व रक्तदान दिवस रक्तदाता के सम्मान का दिन: डॉ. जायसवाल

महानगर संवाददाता

जयपुर। विश्व रक्तदान दिवस रक्तदाता के सम्मान का दिन है। मानव का ही रक्त ऐसा होता है जो कि दूसरे मानव को नया जीवन दान दे सकता है। रक्त शरीर का दसवां भाग होता है जिसके दान करने से चार लोगों को नया जीवन मिल सकता है। यह विचार विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर महात्मा गांधी अस्पताल में आयोजित स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए अस्पताल के ब्लड बैंक के सहायक प्रभारी डॉ. आर. एम. जायसवाल ने मंगलवार को व्यक्त किए।

महात्मा गांधी अस्पताल में विश्व रक्तदान दिवस मनाया

डॉ. जायसवाल ने कहा डेंगू, कैंसर जैसी बीमारी में रोगी के प्लेटलेट चढ़ाना होता है। इसी प्रकार से थैलेसीमिया के रोगी को जब तक बोनमेरो ट्रांसप्लान्ट कराने तक प्रतिमाह दो से तीन बार आवश्यकता के अनुसार ब्लड चढ़ाना पड़ता है। थैलेसीमिया के रोगियों का महात्मा गांधी अस्पताल में भी निःशुल्क रक्त उपलब्ध होता है। डॉ. जायसवाल ने कहा महात्मा गांधी अस्पताल का ब्लड बैंक राज्य का अत्याधुनिक ब्लडबैंक है जहां डोनर की स्क्रीनिंग के साथ थैलेसीमिया की जांच भी निःशुल्क होती है।

ब्लड डोनर के सम्मान का दिन है वर्ल्ड ब्लड डोनेशन डे : डॉ. जायसवाल

डेली न्यूज, mix रिपोर्टर, जयपुर। विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर महात्मा गांधी अस्पताल में आयोजित स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ब्लड बैंक के सहायक प्रभारी डॉ. आरएम जायसवाल ने कहा कि विश्व रक्तदान दिवस रक्तदाता के सम्मान का दिन है। मानव का ही रक्त ऐसा होता है जो कि दूसरे मानव को नया जीवन दान दे सकता है। रक्त शरीर का दसवां भाग होता है, इसके दान से चार लोगों को नया जीवन मिल सकता है।

डॉ. जायसवाल ने कहा कि डेंगू, कैंसर जैसी बीमारी में रोगी को प्लेटलेट की अधिक आवश्कता होती है। ऐसे में लोगों को अधिक से अधिक रक्तदान करना चाहिए। इस अवसर पर ब्लड बैंक के प्रभारी डॉ. एचबी सक्सेना ने कहा कि व्यक्ति को रक्तदान करते रहना चाहिए, इससे शरीर का कॉलस्ट्रोल कम तो होता ही है, साथ ही समय-समय पर निःशुल्क स्क्रीनिंग भी हो जाती है। उन्होंने कहा रक्त किसी फैक्ट्री में उत्पादित नहीं होता, बल्कि एक दूसरे के रक्तदान करने से ही गम्भीर रोगियों को अकाल मृत्यु से बचाया जा सकता है। इस अवसर पर थैलेसीमिया के अनेक रोगियों, परिजनों को रक्तदान से जुड़ी जानकारी दी गई।

International Yoga Day

National Muay thai championship

महात्मा गाँधी अस्पताल, जयपुर
मानव सेवा समिति, निवाई
नववर्ष स्नेह मिलन समारोह

महात्मा गाँधी अस्पताल, जयपुर
मानव सेवा समिति, निवाई

Press Conference, Jain Farm House, Jaipur

Sindhi Samaj Cricket Event

Khole ke Hanuman Ji Mandir Padyatra, Jaipur

भास्कर पहल अंगदान जागरूकता के लिए शहर के डॉक्टर्स, ट्रांसप्लांटेशन एक्सपर्ट्स, एमएफजेसीएफ के चेयरपर्सन, कन्वीनर और हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड की सीएसआर हेड एक मंच पर आए

अंगदान के लिए स्पेशलिस्ट और आईसीयू स्पेशलिस्ट भी निभाएं काउंसलर की भूमिका

सिटी रिपोर्टर, जयपुर | ऑर्गन डोनेशन अवेयरनेस के लिए दैनिक भास्कर ने भास्कर ऑफिस में पैनल डिस्कशन आयोजित किया जिसमें शहर के जाने-माने डॉक्टर्स ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम का मकसद लोगों में अंगदान के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए सार्थक चर्चा करना था। यह कार्यक्रम हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के सहयोग से आयोजित हुआ। जिसमें नॉलेज पार्टनर रहा मोहन फाउंडेशन जयपुर सिटीजन फोरम (एमएफजेसीएफ)। चर्चा में शामिल एक्सपर्ट्स ने बताया कि प्राइवेट हॉस्पिटल्स में ब्रेन डेथ सर्टिफिकेशन की ट्रेनिंग व मॉनिटरिंग होनी चाहिए व इंटेन्सिविस्ट को काउंसलिंग के रोल में शामिल किया जाना चाहिए।

अंगदान पर भास्कर पैनल डिस्कशन में (बाएं से दाएं) डॉ. अजय शर्मा, डॉ. राजशेखर पेरुमल्ला, डॉ. राम डागा, डॉ. संदीप गुप्ता, डॉ. प्रतीक त्रिपाठी, डॉ. वी.डी. सिन्हा, डॉ. आर.के. जैन, डॉ. विनय मल्होत्रा, डॉ. धनंजय अग्रवाल, भावना जगवानी, डॉ. विनय तोमर, राजीव अरोड़ा, डॉ. मनीष शर्मा, रिंकी सेन और नीलिमा खेतान।

अंगदान में स्पेन अव्वल

चर्चा की शुरुआत करते हुए जेके लोन के शिशु रोग विशेषज्ञ व स्टेट नोडल ऑफिसर-राज्य अंगदान कार्यक्रम, डॉ. मनीष शर्मा ने कहा, हमारे देश में डोनेशन का बहुत कम (.34 प्रति मिलियन) है। स्पेन व क्रोएशिया में यह दर 34-33% है। दुनिया में अंगदान के दो तरीके प्रचलित हैं ऑप्ट इन व ऑप्ट आउट। ऑप्ट आउट में हर ब्रेन डेड व्यक्ति स्वतः ही एक ऑर्गन डोनर बन जाता है जब तक कि उसके परिजन किसी सक्षम कारण से मना न कर दें। जबकि ऑप्ट इन सिस्टम जो भारत में प्रचलित है उसमें ब्रेन डेड व्यक्ति के परिजनों से अनुमति लेने के पश्चात ही ऑर्गन निकाले जा सकते हैं। स्पेन, क्रोएशिया, ऑस्ट्रिया, फ्रांस में ऑप्ट आउट प्रचलित है। यहां अंगदान की दर सबसे ज्यादा है। स्पेन में प्रिज्युम्ड कंसेंट के तहत जीवित या मृत्यु के बाद अंगदान किया जा सकता है। चाहे इसके लिए व्यक्ति की सहमति हो या न हो। अगर ऑर्गन डोनेशन न करना हो तो नेशनल रिजेक्शन रजिस्ट्री में नाम रजिस्टर करवाना होता है। आगे का फैसला मेडिकल टीम लेती है। इसी तरह यूरोप में 40 ऑर्गन ट्रांसप्लांट यूनिट्स हैं। जो इस काम में महत्वपूर्ण हैं।

राजस्थान में भी बेहतर काम

राजस्थान ने अंगदान की प्रगति है। हालांकि जागरूकता का स्तर यहां कम है। लेकिन अवेयरनेस प्रोग्राम्स की ईमानदारी इस मिशन को ऊंचाइयां देगी। कोई भी मेडिकल कॉलेज रिट्रीवल सेंटर बनने के लिए तैयार होता है। जो भी अंगदान से संबंधित विषय में एमसीएच का कोर्स करवाता है वह आसानी से कॉम्पिटेंट अथॉरिटी से अनुमति लेने के बाद एनटीओआरसी बन सकता है। इसे नॉन ट्रांसप्लांट ऑर्गन रिट्रीवल सेंटर कहते हैं। ऐसे में नेटवर्क बढ़ने पर ज्यादा से ज्यादा ऑर्गन उपलब्ध हो पाएंगे। राजस्थान में सरकार द्वारा गठित आरएनओएस (राजस्थान नेटवर्क फॉर ऑर्गन शेयरिंग) के द्वारा ही अंगों का वितरण होता है। इससे पूरी प्रक्रिया सरकार की नजर में रहती है और अंगों का बेहतर उपयोग होता है। राजस्थान देश के पहले आठ प्रदेशों में से है जिनमें सरकार द्वारा संचालित ऑर्गन शेयरिंग नेटवर्क से अंगों का एलोकेशन किया जाता है। अभी भी बड़े राज्य गुजरात, यूपी, एमपी, बिहार व दिल्ली में सरकार द्वारा संचालित ऐसी रजिस्ट्री नहीं है। इसके अलावा स्कूली पाठ्यक्रम में ऑर्गन डोनेशन का चैप्टर शामिल करना एक अच्छा कदम साबित हो सकता है।

जोन वाइज रिट्रीवल सेंटर

एमएफजेसीएफ के चेयरमैन राजीव अरोड़ा ने कहा अब ऑर्गन डोनेशन के बारे में बात करने की जरूरत है। इससे जुड़े सभी अधिकारियों को सक्षम करना चाहिए। हिंदी मीडिया का जुड़ना महत्वपूर्ण हो सकता है। एसएमएस में सीनियर प्रोफेसर नेफ्रोलॉजी डॉ. धनंजय अग्रवाल की राय में डोनर के परिवार को यह भरोसा होना चाहिए कि उनका अंग सही व्यक्ति तक पहुंचेगा। संवाद के लिए धार्मिक फोरम होना चाहिए। धर्म गुरुओं को इसमें शामिल करना चाहिए। इसके अलावा हमारे पास जोन वाइज रिट्रीवल सेंटर्स होने चाहिए जो इस काम में काफी मददगार हो सकते हैं।

डोनर को बनाएं ब्रांड एंबेस्डर

एसएमएस मेडिकल कॉलेज के विभागाध्यक्ष यूरोलॉजी, डॉ. विनय तोमर का सुझाव था कि डोनर को निश्चित समय अवधि के लिए ब्रांड एंबेस्डर बनाना भी मददगार साबित हो सकता है। एसएमएस मेडिकल कॉलेज में एचओडी गैस्ट्रो सर्जरी डॉ. अजय शर्मा के मुताबिक अचानक सड़क पर अज्ञात होने वाली मृत्यु में डोनर के पास ऑर्गन डोनेशन की शपथ का कोई सबूत नहीं होता। ऐसे में ड्राइविंग लाइसेंस, आधार कार्ड या अन्य कार्ड के साथ यह सूचना जोड़ी जा सकती है। एमएफजेसीएफ की कन्वीनर भावना जगवानी के मुताबिक इस मसले में सरकारी अधिकारियों व डॉक्टर्स की अवेयरनेस जरूरी है।

बड़े स्तर पर जागरूकता

कार्यक्रम में हिंदुस्तान जिंक की सीएसआर हेड, नीलिमा खेतान ने बताया कि लोग किस तरह ऑर्गन डोनेट कर सकते हैं इस बारे में जागरूकता फैलाने की बात रखी। हिंदुस्तान जिंक से टीम सीएसआर की सदस्य रिंकी सेन भी चर्चा में शामिल हुईं।

कीमतों का मानकीकरण

फोर्टिस में यूरोलॉजिस्ट डॉ. संदीप गुप्ता के अनुसार इसके लिए डोनर को सम्मानित करना व लाइसेंस पर कंसेंट जैसे इनीशिएटिव शामिल हो सकते हैं. महात्मा गांधी हॉस्पिटल में वरिष्ठ ट्रांसप्लांट सर्जन डॉ. राजशेखर पेरुमल्ला के मुताबिक तमिलनाडु की तर्ज पर ऑर्गन डोनेशन में सरकार का मजबूत सहयोग जरूरी है। स्कूल अवेयरनेस के साथ-साथ न्यूरोसर्जन व इंटेन्सिविस्ट का सहयोग भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। एसएमएस में सीनियर प्रोफेसर प्लास्टिक सर्जरी, डॉ. आरके जैन के अनुसार डोनर्स को सेलिब्रेट किया जाना चाहिए। एसएमएस में लिवर ट्रांसप्लांट व जीआई सर्जन डॉ. राम डागा की राय में इस काम में ट्रांसप्लांटेशन की कीमतों का मानकीकरण और सरकारी हस्तक्षेप होना चाहिए। चर्चा में डॉ मनीष ने बताया कि कानून में भी कई कमियां हैं। ब्रेन डेथ सर्टिफाइड होने के बाद अस्पताल इस असमंजस में होता है कि वेंटिलेटर को चालू रखा जाए या नहीं। मेडिक्लेम कंपनियां भी इसके लिए तैयार नहीं होतीं। उधर परिजन उसे चालू रखने का दबाव बनाते हैं।

आईएएस मधुकर गुप्ता के खिलाफ प्रसंज्ञान बहाल

Awarness talk on Nursing Care

World Nursing Day

MGH NEWS

PUBLICATION: DALLY NEWS

PAGE-2 Dt. 14.11.2017

विश्व मधुमेह दिवस आज : 18 साल में मधुमेह रोगियों की संख्या 34 करोड़ के पार होगी

मधुमेह रोग की राजधानी बन गया देश

डेली न्यूज, जयपुर। मधुमेह रोगियों की संख्या दुनियाभर में सबसे ज्यादा भारत में है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार विश्व में 442 मिलियन मधुमेह रोगी है। भारत में वर्ष 2035 में मधुमेह रोगियों की संख्या 34 करोड़ के आसपास हो जाएगी। विश्व में भारत को मधुमेह की राजधानी कहा जाता है।

मधुमेह रोग विशेषज्ञ डॉ. पी.पी. पाटीदार ने बताया कि डब्ल्यूएचओ के अनुसार मधुमेह से होने वाली 80 प्रतिशत मृत्यु निम्न एवं मध्यम आय वाले देशों में होती है। वर्तमान आंकड़ों के अनुसार अभी भारत में 8 करोड़ लोग मधुमेह से पीड़ित थे। ऐसा अनुमान है कि विश्व में मधुमेह से पीड़ित होने वाला हर पांचवा व्यक्ति भारतीय है।

दो तरह का होता है मधुमेह

डॉ. पाटीदार ने बताया कि एक मधुमेह टाइप-1 और दूसरा टाइप-2 मधुमेह। टाइप-1 में इस रोग को इन्सुलीन निर्भर, किशोरावस्था या बचपन में शुरुआत होने वाले मधुमेह के रूप में जाना जाता है। मधुमेह की अवस्था को नियमित

इन्सुलीन से प्रबंधित किया जा सकता है। इसी प्रकार टाइप-2 में वह स्थिति होती है, जिसमें शरीर की कोशिकाएं इन्सुलीन का उपयोग करने में सक्षम नहीं होती।

मोटापा अहम कारक

डॉ. मुकुल गुप्ता ने बताया कि मोटापा बीमारी को बढ़ाने में सबसे अहम माना जा रहा है। महिलाओं में हर 10 में से 1 इस रोग से पीड़ित है। डायबिटीज के इलाज और बचाव के लिए अब नई-नई डिवाइस व नई दवाइयां आ रही है, जो शुगर कंट्रोल करने में अधिक कारगर साबित हो रही है।

मधुमेह से बचने के तरीके

विशेषज्ञ डॉ. राजीव कासलीवाल ने बताया कि मधुमेह से बचने के लिए ताजा फल व सब्जियों का सेवन करें। रेशा युक्त खाद्य पदार्थों जैसे साबुत अनाजों, दालों एवं अंकुरित दालों का सेवन जरूरी है। अधिक मात्रा में आहार का सेवन करने की बजाए दो-तीन घंटे के अंतराल पर थोड़ा-थोड़ा खाएं। तेल, चीनी, अल्कोहल एवं वसायुक्त खाद्य पदार्थों से बचें। जीवन शैली में बदलाव व आधे घंटे नियमित व्यायाम जरूरी है।

महात्मा गाँधी अस्पताल
सेहत की बात !
नियमित स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम
विशेषज्ञों से जानें
सेहत के बारे में,
बीमारियों के लक्षण,
बचाव एवं उपचार !
महात्मा गाँधी अस्पताल द्वारा
स्वास्थ्य जागरूकता की दिशा में
एक सतत् प्रयास...

रक्तदान शिविर में 150 यूनिट ब्लड एकत्रित

जयपुर | भांकरोटा, अजमेर रोड पर नामदेव फिनवेस्ट की ओर से सोमवार को आयोजित रक्तदान शिविर में 150 यूनिट रक्त एकत्र किया गया।

रक्तदान शिविर में महात्मा गांधी अस्पताल की टीम ने सहयोग किया। रक्तदान करने वालों का हौसला बढ़ाने के लिए सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान रक्तदान का महत्व भी बताया गया।

रक्तदान शिविर में 150 यूनिट रक्त संग्रह

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जयपुर ◆ सोमवार को अजमेर रोड पर लगाए गए रक्तदान शिविर में युवाओं में रक्तदान के प्रति विशेष उत्साह नजर आया। इस अवसर पर 150 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। शिविर संयोजक जितेन्द्र सैनी ने बताया कि रक्तदान शिविर में एक अस्पताल की टीम ने सहयोग किया। इस अवसर पर रक्तदान करने वालों का हौसला बढाने के लिए उन्हें उपहार देकर सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान रक्तदान का महत्व भी बताया गया।

Blood Donation Camp at Manipal University, Jaipur

World Blood Donation Day

World Blood Donation Day

रक्तदान कर मानवता की सच्ची सेवा करें: डॉ. जायसवाल

अधीक्षक डॉ. गुप्ता ने 12 बार रक्तदान कर मिसाल कायम की

जयपुर। मानव शरीर में ब्लड महत्वपूर्ण है। इसकी मात्रा मानव शरीर में 5 से 6 लीटर होती है और जब कोई भी व्यक्ति रक्तदान करता है तो उसके शरीर से मात्र 350 से 450 एमएल ही रक्त लिया जाता है जो कि एक यूनिट कहलाता है और एक यूनिट रक्त चार लोगों की जिन्दगी बचा सकता है यह विचार विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर महात्मा गांधी अस्पताल के ब्लड बैंक के सहायक प्रभारी डॉ. आर.एम.जायसवाल ने व्यक्त किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कोई भी स्वस्थ व्यक्ति जिसका हीमोग्लोबिन 12.5 हो वो रक्तदान कर सकता है।

थैलेसीमिया, हीमोफीलिया, कार्डियक सर्जरी अथवा अन्य बड़ी सर्जरी में रक्त की आवश्यकता अधिक होती है। रक्त किसी फैक्ट्री अथवा कम्पनी में निर्मित नहीं होता। रक्तदान कर मानव ही पीड़ित मानवता की सच्ची सेवा कर सकता है। उन्होंने कहा टीबी, पीलिया, हैपेटाइटिस बी, मलेरिया, एचआईवी, थायराइड अथवा शुगर का रोगी तथा अत्यधिक शराब का सेवन करने वाला एवं 60 साल से अधिक उम्र का व्यक्ति रक्तदान नहीं कर सकता है।

डॉ. जायसवाल ने कहा कि प्रतिवर्ष बारिश के सीजन के पश्चात डेंगू रोग इन वर्षों में अधिक हो रहा है, इसमें प्लाज्मा की आवश्यकता होती है।

ब्लड डोनर डे मनाया

डेली न्यूज, mix रिपोर्टर, जयपुर। शरीर में 5 से 6 लीटर ब्लड होता है। जब ब्लड डोनेट होता है तो सिर्फ 350 से 450 एमएल ही ब्लड लिया जाता है। यही एक यूनिट कहलाती है। एक यूनिट से चार लोगों की जिंदगी बचाई जा सकती है। यह कहना है महात्मा गांधी अस्पताल के ब्लड बैंक के सहायक प्रभारी डॉ. आर.एम. जायसवाल का। बुधवार को अस्पताल में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम हुआ। इसमें कहा कि ब्लड किसी फैक्ट्री में नहीं बनता। डोनेट करना ही बड़ा सेवा का काम है। टीबी, पीलिया, हैपेटाइटिस बी, मलेरिया, एचआईवी, थायराइड व शुगर का रोगी, अत्यधिक शराब पीने वाला व 60 साल से अधिक उम्र का व्यक्ति ब्लड डोनेट नहीं कर सकता है। मौके पर अस्पताल के अतिरिक्त अधीक्षक डॉ. आर.सी. गुप्ता ने बताया कि आज भी मेरा नाम एसएमएस ब्लड बैंक में सूची में लिखा हुआ है। मैंने 12 बार डोनेट किया है। कार्यक्रम में पैशेंट ने ब्लड डोनेशन से संबंधित प्रश्न भी पूछे।

Press Conference about the Endocrine and Neuro Surgery

भास्कर अलर्ट

भुसावर निवासी वरिष्ठ कैंसर सर्जन डॉ. दिनेश यादव से बातचीत. बोले रोग कोई भी हो लाइफ स्टाइल जरूरी

मुंह के अंदर लाल दाग तो कैंसर का खतरा

क्यों होता है मुंह का कैंसर

मुंह कैंसर के प्रारंभिक लक्षण

R L Swarankar Oration

World Congress on Cancer Conference

मरीजों को मिलेगी एम्स जैसी सुविधा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

rajasthanpatrika.com

सीकर. महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल जयपुर को नई दिल्ली के एम्स की तर्ज पर विकसित किया गया है। अस्पताल में अत्याधुनिक तकनीकों से मरीजों का उपचार किया जा रहा है। यह जानकारी महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी के चेयरपर्सन डॉ. एमएल स्वर्णकार ने दी। सड़क दुर्घटनाओं के दौरान सटीक इलाज मिलने से मरीज की जान बचाई जा सकती है। शेखावाटी में जुड़े अस्पतालों में टेली मेडिसिन या चिकित्सकों के वाट्सएप से भी मरीज की स्थिति जानकर विशेषज्ञों की राय ली जा सकेगी। प्रदेश में पहली बार किडनी, हार्ट, लंग्स, तथा पेनक्रियाज प्रत्यारोपण व कैडेवर अंगदान हुए है। अस्पताल में हार्ट सर्जन डॉ. बलराम एरन, न्यूरो सर्जन प्रोफेसर पंकज गुप्ता, डॉ. रजत भार्गव जैसे अनुभवी विशेषज्ञों की सेवाएं भी उपलब्ध है।

दुनिया की श्रेष्ठ तकनीक व अनुभव का लाभ महात्मा गांधी हॉस्पिटल में-डॉ. स्वर्णकार

अनेक ख्यात चिकित्सकों की सेवाएं शुरू

सीकर। महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी के चेयरपर्सन प्रो. डॉ. एमएल स्वर्णकार ने कहा है कि चिकित्सा के क्षेत्र में जयपुर अब बड़ा हब बन गया है। इसे राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में महात्मा गांधी हॉस्पिटल का अहम योगदान रहा है। डॉ. स्वर्णकार शनिवार को यहां डॉ. वीके जैन के फार्म हाउस में आयोजित पत्रकार वार्ता में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी हॉस्पिटल में राज्य में पहली बार किडनी, हार्ट, लीवर, लंग्स पेनक्रियाज प्रत्यारोपण और कैडेवर अंगदान हुए। उन्होंने कहा कि दुनिया की श्रेष्ठ तकनीक व अनुभव का लाभ अब प्रदेश की जनता को मिल रहा है। इसके लिए उन्हें भारी भरकम खर्चा भी नहीं करना पड़ रहा साथ ही लम्बे समय तक इंतजार करने की जरूरत भी नहीं रहती। अपनी भावी योजनाओं का जिक्र करते हुए डॉ. स्वर्णकार ने कहा कि तकनीक व अनुभव की दृष्टि से महात्मा गांधी हॉस्पिटल को एम्स, नई दिल्ली की तर्ज पर विकसित किया जा रहा है। इस अवसर पर महात्मा गांधी हॉस्पिटल के न्यूरो सर्जरी विभाग के प्रो. डॉ. पंकज गुप्ता ने कहा कि महात्मा गांधी हॉस्पिटल राज्य का पहला ऐसा हॉस्पिटल है जहां सीटी स्कैन तथा नेवीगेशन तकनीक से रोगी के छोटे से चीरे से सर्जरी की जा रही है। उन्होंने कहा कि मस्तिष्क, स्पाइन की सर्जरी अब पूरी तरह सुरक्षित है। इसके लिए यहां एण्डोस्कोप, माइक्रोस्कोप तथा यूएसजी गाइडेड तकनीक उपलब्ध है, जिनके जरिए ब्रेन ट्यूमर व ब्रेन हेमरेज तथा डिस्क प्रोलेप्स ऑपरेशन छोटे चीरे के जरिए किए जा रहे हैं। पत्रकार वार्ता में डॉ. एरन ने कहा कि महात्मा गांधी हॉस्पिटल में अब बड़ों के साथ बच्चों के दिल की बीमारियों का भी बेहतरीन उपचार उपलब्ध है। इस मौके पर डॉ. बलराम ने कहा कि अनियमित दिनचर्या एवं खानपान के कारण दिल के रोगियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इससे बचाव के लिए दिनचर्या में सक्रियता तथा फाइबर युक्त खानपान को भी शामिल किया जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि ख्याति प्राप्त डॉ. एरन एम्स नई दिल्ली से सेवानिवृत होकर हाल ही महात्मा गांधी हॉस्पिटल जयपुर में अपनी नियमित सेवाएं शुरू की है। डॉ. एरन को चालीस वर्षों के अपने सेवाकाल में 25 हजार से ज्यादा हार्ट सर्जरी करने का श्रेय प्राप्त है। पत्रकार वार्ता में महात्मा गांधी हॉस्पिटल के पेट, आंत तथा लीवर रोग विभाग के डॉ. रजत भार्गव ने कहा कि छोटे बच्चों द्वारा अनजाने में निगली वस्तुओं को निकालने के लिए अब ऑपरेशन की आवश्यकता नहीं रही। इसके लिए एण्डोस्कोप तकनीक का प्रयोग किया जा रहा है। पत्रकार वार्ता में डॉ. स्वर्णकार के मीडिया सलाहकार वीरेन्द्र पारीक एवं श्री केएम जैन हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. वीके जैन भी उपस्थित थे।

सेतु की भूमिका निभा रहे हैं

डॉ. के.एम. जैन हॉस्पिटल के निदेशक एवं ख्यातिप्राप्त कार्डियोलोजिस्ट डॉ. वीके जैन जयपुर के महात्मा गांधी हॉस्पिटल के बीच एक योजक कड़ी के रूप में कार्य कर रहे हैं। डॉ. जैन का मानना है कि शेखावाटी के मरीजों को उच्च गुणवत्ता की चिकित्सा कम पैसे में मिल सके। इसी उद्देश्य को लेकर वह इस कार्य में जुटे हैं।

हृदय की जन्मजात विकृति का समय पर उपचार जरूरी : डॉ. एरन

सीकर | देश में हृदय की जन्मजात विकृतियों के मामले में लगातार बढ़ रहे है। एएसडी वीएसडी व पीडीए नामक बीमारियों से पीड़ित बच्चों का इलाज बचपन में ही संभव है। ऐसा नहीं होने पर बच्चे का शरीर विकसित नहीं हो पाता। यह बात शनिवार को हार्ट सर्जन डॉ. बलराम एरन ने कही। ये शनिवार को सीकर आए हुए थे। एम्स नई दिल्ली से सेवानिवृत्त डॉ. एरन ने महात्मा गांधी अस्पताल जयपुर में सेवाएं शुरू की है। डॉ. बलराम ने बताया कि अनियमित दिनचर्या कारण दिल के रोगियों की संख्या बढ़ रही है। महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी के चेयरपर्सन प्रो. डॉ. एमएल स्वर्णकार ने कहा कि चिकित्सा के क्षेत्र में जयपुर अब बड़ा हब बन गया है। किडनी, हार्ट, लीवर, लंग्स तथा पेनक्रियाज प्रत्यारोपण जैसे अंग दान हुए। डॉ. स्वर्णकार ने बताया कि महात्मा गांधी अस्पताल को एम्स की तर्ज की विकसित किया जा रहा है। प्रो. डॉ. पंकज गुप्ता ने कहा कि महात्मा गांधी अस्पताल में सीटी स्कैन तथा नेवीगेशन तकनीक से रोगी की सर्जरी की जाती है। डॉ. रजत भार्गव ने बताया कि छोटी बच्चों द्वारा अनजाने में निगली वस्तुओं को निकालने के लिए अब ऑपरेशन की आवश्यकता नहीं है।

कार्यक्रम में मंचासीन अतिथि।

Swami Vivekanand Oration

World Health Day

...है। उनका यह मनोनयन भाजपा सपोर्टर के प्रदेश अध्यक्ष रणवीर सिंह ने किया। घनश्याम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किए गए जनकल्याणकारी कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने में अपनी भूमिका निभाएंगे।

ब्लड डोनर के सम्मान का दिन है वर्ल्ड ब्लड डोनेशन डे : डॉ. जायसवाल

डेली न्यूज, mix रिपोर्टर, जयपुर। विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर महात्मा गांधी अस्पताल में आयोजित स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ब्लड बैंक के सहायक प्रभारी डॉ. आरएम जायसवाल ने कहा कि विश्व रक्तदान दिवस रक्तदाता के सम्मान का दिन है। मानव का ही रक्त ऐसा होता है जो कि दूसरे मानव को नया जीवन दान दे सकता है। रक्त शरीर का दसवां भाग होता है, इसके दान से चार लोगों को नया जीवन मिल सकता है।

डॉ. जायसवाल ने कहा कि डेंगू, कैंसर जैसी बीमारी में रोगी को प्लेटलेट की अधिक आवश्कता होती है। ऐसे में लोगों को अधिक से अधिक रक्तादान करना चाहिए। इस अवसर पर ब्लड बैंक के प्रभारी डॉ. एचबी सक्सैना ने कहा कि व्यक्ति को रक्तादान करते रहना चाहिए, इससे शरीर का कॉलस्ट्रोल कम तो होता ही है, साथ ही समय-समय पर निःशुल्क स्क्रीनिंग भी हो जाती है। उन्होंने कहा रक्त किसी फैक्ट्री में उत्पादित नहीं होता, बल्कि एक दूसरे के रक्तादान करने से ही गम्भीर रोगियों को अकाल मृत्यु से बचाया जा सकता है। इस अवसर पर थैलेसीमिया के अनेक रोगियों, परिजनों को रक्तदान से जुड़ी जानकारी दी गई।

9 को होगा गौरव सम्मान समारोह

डेली न्यूज... फेलिसिटेश... में टॉप रैंक... 19, अर्पि... स्टूडेंट्स ने... जयश्री पेड़ि... के साथ ही... एक्सपीरियंस...

Gynaecology and Paediatric Health awarness talk, Jaipur

Medical Camp with Emergency services at Diggi Kalyan Ji Mela

उपस्थित

महात्मा गांधी चिकित्सालय की ओर से मेले में निःशुल्क सेवाएं

न्यूज सर्विस/नवज्योति, टोडरीसागर

महात्मा गांधी अस्पताल जयपुर की ओर से डिग्गी लक्खी मेले में एम्बुलेंस एवं चिकित्सा सेवाओं का शुभारम्भ किया गया। शिविर में पदयात्रियों की समस्याओं का निदान कर प्राथमिक उपचार प्रदान किया जा रहा है। अस्पताल के मार्केटिंग एवं जनसम्पर्क निदेशक वीरेन्द्र पारीक ने बताया कि शिविर 17 अगस्त से 24 घण्टे कार्यरत है जिसमें अनुभवी चिकित्सकों एवं आपातकालीन दल द्वारा सेवाएं दी जा रही है। शिविर में रोगियों को निःशुल्क दवाओं का वितरण व निःशुल्क जांच की जा रही है। पारीक ने बताया कि शिविर के शुभारम्भ से लेकर अब तक लगभग पांच हजार से अधिक यात्रियों को प्राथमिक उपचार दिया गया है।

Blood Donation Camp, Makrana

Blood Donation Camp, Sitapura

Camp at Khole ke Hanuman Ji, Jaipur

महात्मा गाँधी अस्पताल, जयपुर
निःशुल्क स्वास्थ्य मेला
सुपर स्पेशियलिटी परामर्श शिविर
रविवार, 12 अगस्त 2018
स्वागतम्
प्रातः 10 से दोपहर 2 बजे
• लॉयन्स क्लब भीलवाड़ा सिटी
• श्री गणेश उत्सव प्रबंध एवं सेवा समिति
• श्री नगर माहेश्वरी सभा

महात्मा गाँधी अस्पताल, जयपुर
निःशुल्क स्वास्थ्य मेला

महात्मा गाँधी अस्पताल, जयपुर
निःशुल्क स्वास्थ्य मेला
सुपर स्पेशियलिटी परामर्श शिविर
रविवार, 12 अगस्त 2018
स्वागतम्
प्रातः 10 से दोपहर 2 बजे
• लॉयन्स क्लब भीलवाड़ा सिटी
• श्री गणेश उत्सव प्रबंध एवं सेवा समिति

महात्मा गाँधी अस्पताल, जयपुर
निःशुल्क स्वास्थ्य मेला
रविवार, 12 अगस्त 2018
स्वागतम्
• लॉयन्स क्लब भीलवाड़ा सिटी
• श्री गणेश उत्सव प्रबंध एवं सेवा समिति

Cultural Event at Bhilwara

Sankalp Rally

– रचना चौधरी के निर्देशन में श्री विद्या सागर यात्रा संघ, जयपुर द्वारा दी जाएगी।

डिग्गी मेले में छह हजार लोगों का प्राथमिक उपचार

जयपुर (कासं)। महात्मा गांधी अस्पताल जयपुर एवं श्री डिग्गी कल्याण मंदिर ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में मेला पदयात्रियों के लिए निःशुल्क प्राथमिक उपचार एवं एम्बुलेंस शिविर का आयोजन किया गया। महात्मा गांधी अस्पताल के जनसंपर्क निदेशक वीरेंद्र पारीक ने बताया कि शिविर में पदयात्रियों का जख्म, छालों, चोट व मौसमी बीमारियों के लिए निःशुल्क दवाइयां व प्राथमिक उपचार किया गया।शिविर का 6 हजार से अधिक यात्रियों ने लाभ उठाया। शिविर में महात्मा गांधी अस्पताल के वरिष्ठ नर्सिंगकर्मी अशोक सोनी, लोकेश, जितेंद्र, हेमराज सोनी, सहायक दीपेंद्र, चौथमल व जनसंपर्क विभाग के हेमंत वर्मा व आई.पी. सिंह ने निरंतर शिविर में प्राथमिक उपचार सेवाएं दीं।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर आज

54वीं लक्खी पदयात्रा

10 अगस्त 2019

महात्मा गांधी चिकित्सालय की ओर से मेले में उपलब्ध करवाई गई निःशुल्क सेवाएं

महात्मा गांधी अस्पताल जयपुर एवं श्री डिग्गी कल्याण मंदिर ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में मेला पदयात्रियों के लिए निःशुल्क प्राथमिक उपचार एवं एम्बुलेंस सेवाएं अग्रवाल समाज धर्मशाला डिग्गी में उपलब्ध करवाई गई। शिविर में अस्पताल के वरिष्ठ नर्सिंग कर्मी अशोक सोनी, लोकेश, जितेंद्र, हेमराज सोनी, सहायक दीपेंद्र, चौथमल व जनसंपर्क विभाग के हेमंत वर्मा व आई पी सिंह निरंतर शिविर में सेवारत है व पदयात्रियों की सेवा में निरंतर कार्यरत रहे।

DIL KHUSH
वाहन बीमा

Press Conference about the New updates IVF, Neuro Surgery, CTVS & Liver transplant

डॉ. स्वर्णकार से खास बातचीत : दस-बारह घंटे मोबाइल और लैपटॉप देखना हो सकता है घातक

देर से शादी बिगाड़ न दे परिवार का गणित

नई पद्धतियों और दवाओं से निःसंतान लोग भी बनने लगे हैं माता-पिता

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

बीकानेर. देर से शादी करना निःसंतानता का कारण बन सकता है। पैंतीस साल के बाद अगर आप शादी करते हैं या बच्चे पैदा करने की सोचते हैं तो आपको निःसंतानता के दौर से गुजरना पड़ सकता है। इतना ही नहीं, तनाव, धूम्रपान, शराब की लत और मोबाइल-लैपटॉप के उपयोग की लत भी बच्चे पैदा करने में बाधा बन सकती है। यह बात शनिवार को आइवीएफ (परखनली शिशु) विशेषज्ञ तथा महात्मा गांधी अस्पताल के अध्यक्ष डॉ. एमएल स्वर्णकार ने राजस्थान पत्रिका से विशेष बातचीत में कही।

डॉ. स्वर्णकार ने कहा कि एक शोध से स्पष्ट हो चुका है कि निःसंतानता के कारण उन महिलाओं व पुरुषों में ज्यादा पाए जाते हैं, जो दस-बारह घंटे मोबाइल और लैपटॉप से चिपके रहते हैं। उन्होंने कहा कि निःसंतानता अब लाइलाज नहीं है। पहले जहां लोग शर्म से घरों से बाहर नहीं निकलते थे, वहीं अब उपचार की नई पद्धतियों और दवाओं से निःसंतान लोग भी माता-पिता बनने लगे हैं।

देश में 14 फीसदी निःसंतान दंपती

आइवीएफ विशेषज्ञ डॉ. विकास स्वर्णकार ने कहा कि देश में 14 फीसदी निःसंतान दम्पती हैं। उन्होंने बताया कि निःसंतान दम्पतियों के लिए आइवीएफ तकनीक वरदान साबित हो रही है। इसमें अंडाणु व शुक्राणु को प्रयोगशाला में विकसित कर प्राकृतिक प्रसव के लिए महिला में प्रत्यारोपित कर दिया जाता है। इसकी सफलता दर अब 50 से 60 प्रतिशत तक पहुंच गई है। उन्होंने बताया कि नई तकनीक के चलते अब भ्रूण को बनता हुआ देखा जा सकता है। इसकी सेल निकालकर जेनेटिक डाइग्नोसिस कर सकते हैं।

पद्धतियां हो रही अपडेट

स्वर्णकार ने कहा कि उपचार की पद्धतियां अपडेट हो रही हैं। स्वर्णकार ने कहा कि उन्होंने 1989 से टेस्ट ट्यूब बेबी की शुरुआत की थी। अब तक करीब 20 हजार से अधिक टेस्ट ट्यूब बेबी पैदा हो चुके हैं। स्वर्णकार ने बताया कि अब उनके पुत्र डॉ. विकास स्वर्णकार भी इसी क्षेत्र में कार्य करने लगे हैं।

डॉक्टर्स मीट : विशेषज्ञों ने दी इलाज में नए प्रयोग की जानकारी

चिकित्सा विज्ञान में नई तकनीक बनी उपचार में मददगार

बीकानेर @ पत्रिका. चिकित्सा विज्ञान में नई तकनीक और लगातार हो रही खोज उपचार में सहायक साबित हो रही है। अब बड़े ऑपरेशन भी छोटे से चीरे से लेप्रोस्कोपी के माध्यम से होने लगे हैं। राज्य में हार्ट, लीवर, लंग्स, पैंक्रियाज के उपचार से कई उपलब्धियां हासिल की हैं। यह बात शनिवार को यहां लालगढ़ पैलेस में आयोजित डॉक्टर्स मीट में जयपुर के महात्मा गांधी अस्पताल के अध्यक्ष डॉ. एमएल स्वर्णकार ने कही।

डॉ. स्वर्णकार ने बताया कि महात्मा गांधी अस्पताल ने कई जटिल ऑपरेशन कर कीर्तिमान स्थापित किया है। राज्य में पहला हार्ट, लीवर ट्रांसप्लांट के साथ लंग्स, पैंक्रियाज ऑपरेशन कर अस्पताल ने राज्य का नाम देश के चिकित्सा मानचित्र पर अंकित किया है। राज्य में कैडेवर अंगदान व प्रत्यारोपण की पहल भी यहीं की गई। उन्होंने बताया कि अब तक 650 से अधिक किडनी प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक किए जा चुके हैं। अस्पताल को एम्स नई दिल्ली की तर्ज पर विकसित किया जा रहा है।

डॉक्टर्स मीट में न्यूरोसर्जरी विशेषज्ञ डॉ. भवानी शंकर शर्मा ने ब्रेन ट्यूमर व स्लिप डिस्क जैसी बीमारियों के बारे में फैल रही भ्रांतियों को दूर करते हुए कहा कि यहां

दूरबीन व माइक्रोस्कोप से सर्जरी की जा रही है। हार्ट सर्जन डॉ. बुद्धादित्य चक्रवर्ती ने हृदय कि जन्मजात बीमारियों, बाइपास सर्जरी में आर्टिरियल ग्राफ्ट के प्रयोग संबंधी जानकारी दी। गैस्ट्रो व लीवर ट्रांसप्लांट सर्जन डॉ. अजय शर्मा ने बताया कि पेट, लीवर, आंत व हिपेटोबिलियरी सर्जरी फ्रेंडली हो गई है। डॉ. विकास स्वर्णकार ने निसंतान दम्पतियों के लिए आइवीएफ तकनीक के बारे में जानकारी दी।

University Convocation

MGH NEWS
PUBLICATION: DANIK NAVJYOTI
PAGE-12 Dt. 01.04.2018

महात्मा गांधी मेडिकल यूनिवर्सिटी का दीक्षान्त समारोह आयोजित

चिकित्सक अपने व्यक्तित्व में जीवन मूल्यों को शामिल करें: डॉ. हर्षवर्धन

ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर

केंद्रीय विज्ञान एवं तकनीकी, भू-विज्ञान मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि चिकित्सक जीवन मूल्यों को अपने व्यक्तित्व में शामिल करें। डॉक्टर की डिग्री हासिल कर लेने से ही शिक्षा का समापन नहीं हो जाता बल्कि चिकित्सक की जीवन की पढ़ाई उसी दिन से शुरू होती है। डॉ. हर्षवर्धन शनिवार को महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी के द्वितीय दीक्षान्त समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एक चिकित्सक में रोगी के प्रति करुणा का भाव होना चाहिए। उन्होंने पर्यावरण में हो रहे बदलावों को सीधे रूप से सामाजिक स्वास्थ्य से जोड़ते हुए कहा कि हमें ग्रीन गुड डील्स पर मिलकर काम करना होगा। यूनिवर्सिटी चांसलर डॉ. एम एल स्वर्णकार ने दीक्षान्त समारोह आरंभ होने की घोषणा कर विद्यार्थियों को अपने प्रेरणाप्रद सम्बोधन में यह संकल्प दिलाया कि वे आजीवन अथक परिश्रम एवं समर्पण तथा सेवा भाव के साथ सदा सन्मार्ग पर चलते हुए रोगियों को चिकित्सा सेवाएं प्रदान करेंगे। साथ ही रोगमुक्त समाज की दिशा में अपना पूरा जीवन लगाएंगे। समारोह में 500 से अधिक मेडिकल शिक्षार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गई।

डॉक्टर्स ने लिया रोगी सेवा का संकल्प
500 से ज्यादा विद्यार्थियों को बांटी डिग्रियां

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि पद्मभूषण डॉ. शिवकुमार सरीन, पद्मश्री डॉ. अशोक पानगड़िया, सांसद रामचरण बोहरा, क्षेत्रीय विधायक कैलाश वर्मा और यूजीसी के पूर्व अध्यक्ष डॉ. हरि गौतम, वाइस चांसलर डॉ. एम सी मिश्रा, प्रो वाइस चांसलर डॉ. सुधीर सचदेव, प्राचार्य डॉ. जीवन सक्सेना, प्राचार्य, रजिस्ट्रार डॉ. एके शर्मा भी मौजूद रहे।

इन्हें मिला गोल्ड मेडल

मेडिकल फैकल्टी में डॉ. शोभित स्वर्णकार को एमबीबीएस में टॉपर के रूप में साह गणेशचंद लोढ़ा स्मृति गोल्ड मेडल प्रदान किया गया। यूनिवर्सिटी गोल्ड मेडल डॉ. शुभि सक्सैना को एमडी पैथोलॉजी में, डॉ. अंकिता मंगलुनिया को एमडी जनरल मेडिसिन, डॉ. सम्राट करण सहगल को एमडी साइकिआट्री, डॉ. सोनल गुप्ता को एमडी पिडियाट्रिक्स, डॉ. रुचिता चौधरी को एमडी एनेस्थीसिया, डॉ. अंकित जैन को एमडी रेडियोडायग्नोसिस, डॉ. सत्यजित को एमएस जनरल सर्जरी, डॉ. मोनिका जैन एमएस गाइनी, डॉ. अभिषेक को एमएस ऑर्थोपेडिक्स, डॉ. रसिकप्रिया संधु को एमएस ऑफ्थेल्मोलॉजी, डॉ. आस्था गोयल को एमएससी मेडिकल बायोकेमिस्ट्री में प्रथम स्थान के लिए गोल्ड मेडल मिला। डेंटल फैकल्टी में साह गणेशचंद लोढ़ा मेमोरियल गोल्ड मेडल बीडीएस टॉप करने पर प्रथम बैच की डॉ. रूपाली व्यास, दूसरे बैच की टॉपर डॉ. अदिति शर्मा को, डॉ. अवनीत कौर को एमडीएस प्रोस्थोडोंटिक्स में, डॉ. अदिति शर्मा को बीडीएस 2012 के लिए, फिजियोथेरेपी में रमेशचंद्र को एमपीटी कार्डियोपल्मोनरी, मंजूकुमारी को एमपीटी ऑर्थोपेडिक्स, रेखा यादव को 20.. के बीपीटी में टॉप करने पर, नर्सिंग फैकल्टी में मिथलेश कुमार टांक को एमएससी, सुभाषचंद शर्मा को बीएससी 2016 और कुलदीप मंगल को बीएससी नर्सिंग 201.. के लिए टॉपर के रूप में गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया।

IT'S RAINING PRIZES

The Prize Distribution ceremony of the Doctor's Premier League Season 11 was organized at Jai Mahal Palace, on Sunday, by the DPL Committee and Shriram Cancer and Super Speciality Center. [illegible] L.Swarnakar, Chairman of Mahatma Gandhi Hospital said, "It is important for a physician to be physically and mentally healthy and this can be achieved from outdoor games." Many Doctors had won awards, and were appreciated for the [illegible] -FE

Vikas Swarnakar, ML Swarnakar, BB Sharma, Sudhir Sachdeva and Mithilesh sharma

Rimmi and Shivraj

Pankaj, Sapna, Maya, Rimmi, Mona, Meenakshi

पब्लिक रिलेशन्स सोसाइटी ऑफ इंडिया के जयपुर चैप्टर की ओर से रविवार को लालकोठी स्थित होटल के सभागार में सम्मानित प्रतिभाएं।

पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी के समारोह में कई प्रतिभाएं सम्मानित

पंजाब केसरी/जयपुर

पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी ऑफ इंडिया के जयपुर चैप्टर की ओर से रविवार को राष्ट्रीय जनसम्पर्क दिवस एवं सम्मान समारोह पर जनसंपर्कविद् महेन्द्र जैन को 'जनसम्पर्क श्री' तथा मुख्यमंत्री के विशेषाधिकारी ... 'जनसम्पर्क गौरव' अलंकरण से विभूषित किया गया।

होटल योयो टाउन हाउस के सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में वरिष्ठ पत्रकार यशवंत व्यास मुख्य वक्ता थे। समारोह में उल्लेखनीय योगदान व उपलब्धि के लिए विशेष प्रतिभाओं, विभिन्न विश्वविद्यालय व महाविद्यालय को उदीयमान जनसम्पर्क विद्यार्थी प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।

ईस्टर पर्व पर चर्चों में हुई ...

20 जनों को जनसंपर्क उत्कृष्टता सम्मान से नवाजा

फारूक आफरीदी को जनसम्पर्क गौरव और महेन्द्र जैन को जनसम्पर्क अलंकरण

जयपुर (कासं)। पब्लिक रिलेशन्स सोसाइटी ऑफ इंडिया, जयपुर चैप्टर के तत्वावधान में रविवार को 42वें राष्ट्रीय जनसम्पर्क दिवस पर प्रतिष्ठित जनसम्पर्ककर्मी, वरिष्ठ साहित्यकार पत्रकार और मुख्यमंत्री के विशेषाधिकारी फारूक आफरीदी को उनकी सुदीर्घ सेवाओं के लिए 'जन सम्पर्क गौरव' एवं लेखक महेन्द्र जैन को 'जन सम्पर्क श्री' अलंकरण प्रदान किए गए। इन्हें प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह भेंट करने के साथ शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज एण्ड टेक्नोलॉजी, जयपुर के चेयरमैन डॉ. एम.एल. स्वर्णकार के मुख्य अतिथि एवं दूरदर्शन के पूर्व केन्द्र निदेशक डॉ. के.के. रत्नू की अध्यक्षता में आयोजित इस समारोह में वरिष्ठ पत्रकार डॉ. यशवंत व्यास एवं पीआरएसआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजीत पाठक ने 'एक राष्ट्र, एक संकल्प एवं एक स्वर' विषय पर विचार व्यक्त किए। 20 जनों को जनसम्पर्क उत्कृष्टता सम्मान, जनसंचार शिक्षण विशिष्टता सम्मान, समाज सेवा, जनसम्पर्क उत्कृष्टता सम्मान, विशिष्ट उपलब्धि सम्मान, उदीयमान जन सम्पर्क प्रतिभा सम्मान प्रदान किया गया। सम्मानित होने वालों में प्यारेमोहन त्रिपाठी, प्रभात गोस्वामी, शिवदयाल मीणा, श्रवण कुमार, आलोक आनन्द, डॉ. रुचि गोस्वामी, लोकेश शर्मा, प्रेरणा अरोड़ा सिंह, डॉ. जितेन्द्र द्विवेदी प्रमुख है। डॉ. नरेन्द्र शर्मा 'कुसुम' को वरिष्ठतम आजीवन सदस्य सम्मान प्रदान किया गया। प्रारम्भ में जयपुर चैप्टर के अध्यक्ष रविशंकर शर्मा ने सभी का स्वागत और सचिव देवीसिंह नरूका ने सभी का आभार व्यक्त किया।

Raj Medicon 2019

Welcome Delegates
XXVI RAJ MEDICON 2019

Welcome Delegates
XXVI RAJ MEDICON 2019

2019.08.23 10:10

2019.08.23 10:11

शिविर में 252 यूनिट रक्तदान संग्रहित

रक्तदान से बड़ा दुनिया में कोई पुण्य नहीं

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

कनकपुरा में शिविर के दौरान रक्तदान करते लोग व उपस्थित अतिथि।

सिंवार मोड़ . सिरसी रोड पर कनकपुरा में स्थित एक निजी स्कूल में कैंसर पेसेन्ट वेलफेयर एण्ड अवेयरनेस सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

इस मौके पर पूर्व सहायक पुलिस आयुक्त बाबूलाल रोहिला, वार्ड 17 पार्षद मधु शर्मा, झोटवाड़ा युवा मोर्चा उपाध्यक्ष सूरज शर्मा, सोसायटी अध्यक्ष सत्यवीर चौधरी, सोसायटी के रक्तदान प्रकोष्ठ प्रभारी राजीव बागड़ा, बिंदायका चौकी प्रभारी मोतीलाल शर्मा सहित कई लोग उपस्थित थे। रोहिला ने कहा कि रक्तदान से बड़ा दुनिया में कोई दूसरा पुण्य नहीं होता, रक्तदाता की एक बूंद खून की किसी भी जीवन तथा मृत्यु से संघर्षरत व्यक्ति की जान बचा सकती है। इस दौरान रक्तदाताओं को अतिथियों ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया कैंसर पेसेन्ट वेलफेयर एण्ड अवेयरनेस सोसायटी अध्यक्ष सतवीर सिंह चौधरी ने बताया कि शिविर में ओसम ब्लड बैंक किशनपुर और महात्मा गांधी ब्लड बैंक ने 252 यूनिट रक्त एकत्र किया। (निसं)

Khole ke Hanuman Ji Mandir Multi Speciality Camp, Jaipur

BLS and CPR Training program

BLS and CPR Training program

World Epilepsy Day

NEWS.: MAHATMA GANDHI HOSPITAL
PUBLICATION: RAJASTHAN PATRIKA
PAGE: 12 DATE- 17.11.2019

CITY event | महात्मा गांधी अस्पताल में राष्ट्रीय मिर्गी रोग जागरुकता कार्यक्रम

मिर्गी से प्रभावित रोगी जी सकते हैं सामान्य जीवन

डेली न्यूज, mix रिपोर्टर, जयपुर। महात्मा गांधी अस्पताल में शनिवार को राष्ट्रीय मिर्गी रोग दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर 'मिर्गी रोग को जानें' नामक प्रदर्शनी लगाई गई। मिर्गी रोगियों को परामर्श व दवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई गई।

स्वास्थ्य जागरुकता कार्यक्रम में न्यूरोलोजी विभागाध्यक्ष डॉ. आर. के. सुरेका ने कहा मिर्गी एक सामान्य बीमारी है। जिसका प्रभाव व्यक्ति के व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक एवं आर्थिक पहलुओं पर पड़ता है। दौरे की स्थिति के अलावा मिर्गी रोगी सामान्य जीवन जी सकता है। दौरा आने पर रोगी को करवट से लेटा दें तथा उसके साथ जोर जबरदस्ती ना करें। पानी पिलाने की कोशिश भी नहीं करें। ऐसी स्थिति में यह सांस की नली में जा सकता है। न्यूरोलोजिस्ट डॉ. गौरव गोयल तथा डॉ. वासुदेव पारासर ने बताया कि मिर्गी के केवल तीस प्रतिशत मामलों में कारणों का पता चल पाता है, जबकि अधिकांश रोगी मस्तिष्क की जन्मजात विकृति, संक्रमण, दिमाग की रसौली तथा खानपान के साथ शरीर में पहुंचा एक कृमि कारण हो सकता है। अनिद्रा, अनियमित दिनचर्या व खानपान, मद्यपान, मानसिक तनाव तथा दवा बंद करने से मिर्गी के दौरों की संभावना बढ़ जाती है। कार्यक्रम में नेचुरोपैथ डॉ. मनोज शर्मा ने बताया कि मिर्गी रोगी उपचार के साथ योग एवं नेचुरोपैथी को अपनाए तो जल्दी स्वास्थ्य लाभ ले सकता है। इस अवसर पर, मेडिकल अधीक्षक डॉ. आर सी गुप्ता, डॉ. मनामिता मण्डल, डा मेधा गुप्ता सहित अनेक विभागीय चिकित्सक उपस्थित थे।

महात्मा गांधी अस्पताल में सीओपीडी पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। धूल, धुआं और वायु प्रदूषण के कारण देश में कार्डियक ऑब्सट्रेक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) के रोगी बढ़ रहे है। विश्व में 35 लाख रोगियों और भारत में 6.5 लाख रोगियों की इस बीमारी से मौत हो जाती है।

देश में राजस्थान राज्य में सीओपीडी के रोगियों की संख्या सर्वाधिक है। यह जानकारी महात्मा गांधी अस्पताल के चेस्ट एण्ड टीबी विभाग के डॉ. वीके जैन, डॉ. महेश मिश्रा व डॉ. लोकेश मान सहित अन्य विशेषज्ञों ने दी।

स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि सीओपीडी मुख्यतया 40 वर्ष की उम्र के बाद धूम्रपान करने वाले एवं अन्य फैफडे रोग से ग्रसित लोगों में अधिक होता है।

समय के साथ यह स्थिति ओर भी खतरनाक होने की संभावना है, यदि समय रहते इस पर ध्यान दिया जाए तो इस बीमारी पर नियंत्रण किया जा सकता है। इस दौरान इन्हेलर थैरेपी से जुडी भ्रांतियों को खारिज करते हुए सीओपीडी के लिए इन्हेलर को जीवन रक्षक बताया।

इस मौके पर रोगियों और उनके परिजनों ने अनेक प्रश्न भी पूछे जिनका चिकित्सकों ने जवाब दिया।

Dr R P Soonawala Oration

महात्मा गांधी अस्पताल में हुआ डॉ. आर.पी.सोनावाला ओरेशन कार्यक्रम

दिल की बीमारियों को कम करता है योगा

डेली न्यूज़, mix रिपोर्टर

ISHWMCON 2019

दैनिक भास्कर

गांव से लेकर शहर तक हवा, पानी, खान-पान और पर्यावरण सब अशुद्ध : सुखराम विश्नोई

जयपुर | इंडियन सोसायटी ऑफ हॉस्पिटल वेस्ट मैनेजमेंट तथा महात्मा गांधी मेडिकल यूनिवर्सिटी की ओर से सीतापुरा स्थित आर.एल.स्वर्णकार ऑडिटोरियम में 'हैल्थ केयर वेस्ट मैनेजमेंट, एंटी बायोटिक्स और जलवायु परिवर्तन' पर दो दिवसीय कार्यशाला संपन्न हुई। इसमें देश-विदेश के चिकित्सक तथा वैज्ञानिक शामिल हुए। दो दिन तक अस्पतालों के अपशिष्ट पदार्थों से होने वाले संभावित खतरों समेत अनेक विषयों पर गहन मंथन हुआ। मुख्य अतिथि वन एवं पर्यावरण मंत्री सुखराम बिश्नोई ने कहा कि पर्यावरण पर आ रहे खतरे को गंभीर चुनौती के रूप में लेना चाहिए। गांव से लेकर शहर तक हवा, पानी, खानपान और पर्यावरण सब अशुद्ध होते जा रहे है। बायोवेस्ट का निस्तारण भी एक बड़ी चुनौती है। महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी के एमेरिटस चेयरपर्सन डॉ.एम.एल.स्वर्णकार ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी पूरे समाज की है। संस्थानों को नेचर फ्रेंडली बनाना होगा, नहीं तो आने वाली पीढ़ियां हमें माफ नहीं करेगी। इस मौके पर डॉ.प्रमोद कुमार, डॉ.अनूप डागा, डॉ.ललित शर्मा, डॉ.योगेश गुप्ता, डॉ.विभा भार्गव, डॉ.श्रुति शर्मा और डॉ.स्वाति शर्मा ने प्रमुख विषयों पर व्याख्यान दिया।

World Women's Day Program